एक नजर में

जिला अस्पताल के बाहर खड़ी बाइक चोरी, मामला दर्ज

गुना। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में जिला अस्पताल के बाहर खड़ी एक मोटरसाइकिल को अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। फरियादी रामपाल चंदेल निवासी तरावली अशोकनगर ने पुलिस को बताया कि गत दोपहर 2 बजे वह अपनी डीलक्स मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी एमएफ 4164 से गुना आया था। उसने वाहन को पाटनी मेडिकल स्टोर के सामने खड़ा किया और अस्पताल के अंदर चला गया। कुछ देर बाद लौटने पर बाइक मौके से गायब मिली। आसपास तलाश करने पर भी कोई सुराग नहीं मिला। फरियादी ने बताया कि वह कई दिनों तक वाहन की खोज करता रहा, परंतु सफलता नहीं मिली। इसके बाद थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राचार्य ने नहीं लिया ज्ञापन तो भड़के एनएसयूआई कार्यकर्ता

दफ्तर के बाहर दिया धरना, कॉलेज में जमकर हुई नारेबाजी

नवभारत न्यूज

गुना 26 नव. का। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बुधवार को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं का गुस्सा शिक्षण व्यवस्था की कथित अनियमितताओं और प्राचार्य के रवैये के खिलाफ भडक उठा। संगठन के पदाधिकारी यूजी की विभिन्न कक्षाओं को नियमित करने, शिक्षकों की मनमानी पर रोक लगाने और परिसर की सफाई सहित पाँच सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन देने प्राचार्य के पास पहुँचे थे। इस दौरान घंटों इंतजार करने के बाद भी प्राचार्य बीके तिवारी द्वारा ज्ञापन लेने नहीं आने से नाराज छात्र नेताओं ने प्राचार्य कक्ष के बाहर ही धरना दे दिया, जिसके बाद कॉलेज परिसर में जमकर नारेबाजी भी हुई।

संगठन के जिलाध्यक्ष फलेशुराज सिंह सिसौदिया और विश्वविद्यालय अध्यक्ष शिवम रघुवंशी के नेतृत्व में कार्यकर्ता प्राचार्य को ज्ञापन सौंपने गए थे।

लेकिन काफी देर तक प्राचार्य के बाहर नहीं आने से छात्र भडक उठे और उन्होंने तत्काल प्राचार्य कक्ष के ठीक बाहर फर्श पर बैठकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे कॉलेज प्रशासन में हडकंप मच गया।

छात्रों के बढ़ते विरोध और हंगामे के बीच प्राचार्य बीके तिवारी अंततः मौके पर पहुँचे और उन्होंने छात्रों का ज्ञापन लिया। एनएसयूआई ने अपनी प्रमुख मांगों में बीए, बीएससी और बीकॉम की कक्षाओं को नियमित रूप से लगाने, समय पर कॉलेज नहीं आने वाले प्रोफेसरों को कारण बताओ नोटिस जारी करने, महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास सफाई और छाया की व्यवस्था करने, छूटी हुई सीसीई परीक्षा दोबारा लेने तथा शौचालयों की साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की।

संगठन ने प्राचार्य से माँग की है कि उल्लिखित माँगों पर जल्द से जल्द उचित कार्रवाई की जाए, अन्यथा छात्र आंदोलन को तेज करने के लिए बाध्य होंगे।

ओपन इलेक्टिव में दे दिया मेजर का सिलेबस, दो घंटे तक खाली हाथ परीक्षा हॉल में बैठे रहे छात्र

विश्वविद्यालय (केटीटीयू) द्वारा आयोजित सप्लीमेंट्री परीक्षाओं में एक बड़ी शैक्षणिक गड़बड़ी सामने आई है। बुधवार, 26 नवंबर को हुए कंप्यूटर के एक विषय की परीक्षा में छात्रों को उनके पाठ्यक्रम से बाहर का सिलेबस दे दिया गया, जिससे परीक्षा देने आए छात्रों में भारी आक्रोश फैल गया। इस दौरान करीब दो घंटे तक छात्र खाली हाथ ही परीक्षा हॉल में बैठे रहे। बाद में कॉलेज प्रशासन ने ऊपर बात कर छात्रों को जाने दिया। कॉलेज सूत्रों के अनुसार उक्त पेपर जल्द नई तारीख में होगा। बाद में छात्रों ने इस संबंध में ज्ञापन सौंपा। यह गड़बड़ी प्रोग्रामिंग मेथोडोलॉजीज एंड डेटा स्ट्रक्चर नामक ओपन इलेक्टिव विषय के पेपर में हुई। छात्रों ने कुलसचिव को सौंपे ज्ञापन में बताया कि उन्हें ओपन इलेक्टिव का पेपर दिया जाना था, लेकिन प्रश्न पत्र में मेजर विषय का पूरा पाठ्यक्रम दे दिया गया, जो उनके साथ बड़ा खिलवाड़ है। जिसके बाद मौके पर ही छात्रों ने अपना विरोध जताया। जिस पर कॉलेज प्रशासन की यूनिवर्सिटी में बात चलती रही। वहीं करीब दो घंटे तक छात्र परीक्षा हॉल में ऐसे ही बैठे रहे। बाद में उन्हें जाने दिया। इस अनियमितता के खिलाफ अभिषेक अहिरवार, अमित सुनहरे, राजेश पूजुपिते, समीर खान, सोनू कुशवाहा, क्रोलू बंदाना, वैष्णवी रघुवंशी, आयुष मीणा, ललित मीणा, शिवम, सलोनी नामदेव, शेखर मीणा और योगेश धाकड़ सहित अन्य छात्र लामबंद हुए और उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। कुलसचिव के नाम पीजी कॉलेज प्राचार्य को दिए गए ज्ञापन में छात्रों ने स्पष्ट निवेदन किया है कि इस दोषपूर्ण पेपर को तत्काल निरस्त किया जाए।

छात्रों ने मांग की है कि या तो विश्वविद्यालय परीक्षा की एक नई तारीख घोषित कर त्रुटि रहित पेपर आयोजित करे, या फिर इस चूक के लिए सभी प्रभावित छात्रों को सीधे उत्तीर्ण घोषित किया जाए। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से जल्द से जल्द उचित निर्णय लेने का आग्रह किया है।

जिले में पर्याप्त मात्रा में यूरिया की आपूर्ति, उर्वरक की कोई कमी नहीं

नवभारत न्यूज

गुना। उप संचालक कृषि संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि जिले को लगातार उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा रही है। किसी भी प्रकार की उर्वरक की कोई कमी नहीं है एवं आगे भी इसी तरह यूरिया उर्वरक जिले को प्राप्त होते रहेंगे। उन्होंने किसान भाईयों से अपील करते हुए कहा किसान भाई अफवाहों पर ध्यान न दें। जिले में लगातार यूरिया की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही यूरिया शासन द्वारा निर्धारित मूल्य 266.50 रुपए पर उर्वरक का क्रय करें व उर्वरकों का अनावश्यक रूप से भंडारण न करें तथा समय समय पर आवश्यकता अनुसार उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। आज डबल लॉक केन्द्र गुना में पुरूष हेतु 2 काउंटरो के माध्यम से एवं महिला हेतु 1 नवीन कांउटर से यूरिया खाद वितरित किया गया हैं। जिले के सभी 7 डबल लॉक केन्द्रो में आवश्यकतानुसार काउंटर बढ़ाकर खाद वितरण किया जा रहा हैं। इस रबी सीजन अंतर्गत यूरिया 32063 मे.टन, डीएपी 6581 मे.टन तथा एनपीके 9157 मे.टन एवं सिंगल सुपर फास्फेट 16592 मे.टन का भंडारण किया जाकर यूरिया 30661 मे.टन, डीएपी 4295 मे.टन तथा एनपीके 4843, सिंगल सुपर फास्फेट 9297 मे.टन का वितरण कृषकों को किया जा चुका है। वर्तमान में यूरिया 1402 मे.टन, डीएपी 2286 मे.टन तथा एनपीके 4314 मे.टन एवं सिंगल सुपर फास्फेट 4295 मे.टन कृषको को वितरण हेतु उपलब्ध हैं। जिसमें कोटरा, रानीखेजड़ा, लहरचा, पेंची, आमासेर, रमड़ी, नेगमा, करोद, मावन, मुरादपुर, बमौरी, रामपुर कालोनी को 27-27 मे.टन यूरिया खाद प्रदाय किया गया है। जिले के जो डिफाल्टर (ओव्हर ड्यू) किसान हैं, वे डबल लॉक केन्द्रों, एमपी एग्रो एवं निजी विक्रेताओं से यूरिया का क्रय करें एवं जो सेवा सहकारी संस्था के सदस्य हैं, वे अपनी सोसायटी से खाद क्रय करें।

यूरिया संकट से त्रस्त किसान : चांचौड़ा-बीनागंज क्षेत्र में लंबी लाइनों में रातभर इंतजार

नवभारत न्यूज

गुना/चांचौड़ा। रबी सीजन की शुरुआत के साथ ही चांचौड़ा-बीनागंज क्षेत्र में यूरिया खाद की किल्लत गहराती जा रही है। एनएफएल की विशाल खाद फैक्ट्री महज 30 किलोमीटर की दूरी पर होने के बावजूद किसानों को समय पर यूरिया नहीं मिल पा रहा है। हालात यह हैं कि किसान सुबह 6 बजे से लाइन में लग जाते हैं और कई बार शाम तक टोकन नहीं मिल पाता।

कुछ किसान थक-हारकर खाली हाथ लौट जाते हैं और अगले दिन फिर उसी उम्मीद के साथ लाइन में खड़े होने मजबूर होते हैं। आज भी परेशान किसानों और महिलाओं ने अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन देकर गुहार

लगाई कि उन्हें जल्द से जल्द खाद उपलब्ध कराया जाए। किसानों का कहना है कि दलाल सक्रिय हैं और उन्हीं के कारण वास्तविक जरूरतमंद किसानों को टोकन और खाद नहीं मिल पा रही।

किसानों की पीड़ा यह है कि कड़ाके की ठंड में घंटों नहीं, बल्कि पूरे दिन लंबी लाइन में इंतजार करना पड़ता है। कई बार टोकन नहीं मिलता, तो कई बार उपलब्धता न होने का हवाला देकर वितरण रोक दिया जाता है। इससे बुवाई प्रभावित हो रही है और खेतों में नमी खत्म होने का खतरा बढ़ रहा है। इन सबके बीच कृषि विभाग द्वारा जारी प्रेसनोट ने किसानों की परेशानी और सवाल और बढ़ा दिए हैं। उप संचालक कृषि ने दावा किया है कि जिले में किसी भी प्रकार की यूरिया की कमी नहीं है और प्रतिदिन 25.30 ट्रक यूरिया एनएफएल से आ रहा है। विभाग के अनुसार जिले में 1402 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है, 30 हजार मीट्रिक टन से अधिक वितरण हो चुका है और सभी डबल लॉक केंद्रों पर काउंटर बढ़ाकर वितरण किया जा रहा है। विभाग ने किसानों से अफवाहों पर ध्यान न देने और निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरक खरीदने की अपील की है।

लेकिन बड़ा सवाल जस का तस है—अगर खाद की कमी नहीं है, तो किसान लाइन में क्यों परेशान हो रहे हैं? महिलाएं क्यों अधिकारियों के सामने रो-रोकर खाद की मांग कर रही हैं? दलाल क्यों खुलेआम सक्रिय हैं? किसानों का सवाल है कि यदि सप्लाई नियमित आ रही है, तो पारदर्शी वितरण क्यों नहीं हो रहा? रोजाना टोकन के लिए मारामारी क्यों है? कई बार क्यों कहा जाता है कि खाद खत्म हो गई है? किसानों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि हालात जल्द नहीं सुधरे, तो वे आंदोलन करने पर विवश हो जाएंगे। जिले में यूरिया की उपलब्धता के विभागीय दावों और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा विरोधाभास दिखाई दे रहा है। जहां विभाग पर्याप्त उपलब्धता का दावा करता है, वहीं किसान कड़ाके की ठंड में आधी रात से लाइन में लगकर धक्के खाने को मजबूर हैं। अन्नदाता की यही पीड़ा आज प्रशासन के सामने एक बड़ा सवाल बनकर खड़ी है—यदि यूरिया की कमी नहीं है, तो किसान क्यों परेशान हैं?

ब्राह्मण-सवर्ण संगठनों का आरक्षण बयान पर महा-आक्रोश! आईएएस वर्मा का फूंका पुतला, तत्काल एफआईआर की मांग

गुना। अखिल भारतीय ब्रह्मण महासभा, सवर्ण आर्मी सहित तमाम सामाजिक संगठनों का आक्रोश बुधवार को विवादित आईएएस अधिकारी के खिलाफ सडकों पर फूट पड़ा। आरक्षण को लेकर आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा द्वारा कथित तौर पर ब्राह्मण समुदाय और उनकी बहन-बेटियों के संबंध में दिए गए अत्यंत अभद्र और विवादित बयान के विरोध में संगठनों ने हनुमान चौराहे पर जबरदस्त प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान आईएएस वर्मा का पुतला फूंका और उनके खिलाफ नारेबाजी करते हुए तत्काल आपराधिक मुकदमा दर्ज करने तथा निलंबित करने की मांग की। संगठनों ने जिला प्रशासन को इस संबंध में एक तीखा ज्ञापन भी सौंपा।

अभद्र बयान पर फूटा गुस्सा

संगठनों ने ज्ञापन में आरोप लगाया कि अजाक्स संगठन के प्रांताध्यक्ष आईएएस संतोष वर्मा ने 24 नवंबर 2025 को एक सार्वजनिक मंच से भडकाऊ बयान दिया। ज्ञापन में कहा गया कि अधिकारी ने सामाजिक सद्भाव बिगाडने और दंगा कराने की कोशिश के उद्देश्य से कहा है कि जब तक मेरे बेटे को ब्राह्मण समुदाय की बहन बेटियां दान नहीं की जाती तब तक आरक्षण खत्म नहीं होगा। संगठनों का कहना है कि संघ लोक सेवा आयोग के एक अधिकारी द्वारा इस तरह की नफरत फैलाने वाली बयानबाजी गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है, जिससे पूरे देश के ब्राह्मण समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं। यह बयान देश में जातीय विद्रोह और बलवा कराने की सोची-समझी साजिश है।

ब्राह्मण महासभा और सवर्ण आर्मी ने अपने ज्ञापन में मांग की है कि अधिकारी को तत्काल निलंबित किया जाए और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत धार्मिक एवं सामाजिक भावना भडकाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की जाए। सवर्ण आर्मी ने तो अधिकारी की सेवाएं समाप्त करने की भी मांग की और इस ज्ञापन की प्रतिलिपि राष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री तक भेजने का आग्रह किया। संगठनों ने यह भी उल्लेख किया कि आईएएस वर्मा का विवादों से पुराना नाता रहा है, जिसमें फर्जी दस्तावेज़ और महिला उत्पीडन् के आरोप शामिल हैं। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर अधिकारी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई नहीं हुई तो ब्राह्मण समुदाय बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

सेवाभारती गुना ने लगाया नि :शुल्क यूरोलॉजी शिविर

गुना। सेवाभारती गुना ने संविधान दिवस के उपलक्ष्य में रेडक्रॉस सोसाइटी के सहयोग से बुधवार को रेडक्रॉस भवन में नि:शुल्क यूरोलॉजी शिविर का आयोजन किया। प्रात: 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक चले इस शिविर में कुल 90 मरीजों का पंजीयन किया गया। अनुभवी यूरोलॉजिस्ट डॉ. प्रतीक्षित सिंह रघुवंशी और उनकी टीम ने मरीजों की जांच कर निश्शुल्क परामर्श तथा आवश्यक चिकित्सकीय सलाह प्रदान की। शिविर प्रभारी डॉ. एम. एल. मंगल ने संविधान दिवस के मौके पर नागरिकों के अधिकार और नैतिक कर्तव्यों पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित लोगों में जागरूकता बढ़ाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवाभारती के अध्यक्ष डॉ. रामवीर सिंह रघुवंशी ने की, जबकि पेंशनर्स संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष शैलेन्द्र शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शिविर में सबसे पहले सभी मरीजों का पंजीयन कर बीपी सहित अन्य मूलभूत स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। इसके बाद यूरोलॉजी से संबंधित समस्याओं—जैसे बार-बार पेशाब आना, पेशाब में खून, प्रोस्टेट की परेशानी, पथरी, किडनी या प्रोस्टेट कैंसर के लक्षण, पुरुष स्वास्थ्य व प्रजनन संबंधी समस्याएँ, पेशाब में जलन या संक्रमण—का परीक्षण कर मरीजों को उचित चिकित्सा सलाह दी गई। कार्यक्रम में अखिलेश विजयवर्गीय, आशीष मंगल, ललितश्री, केएम बंसल, वीर सिंह रघुवंशी, हरिओम रघुवंशी, फर्नीश चक्रवर्ती, मुन्नालाल राव, पांडुरंग राव, संजय राठी, चंद्रेश जैन शामिल रहे।

पड़ोसी की प्रताड़ना से परेशान परिवार ने एसपी से की कार्रवाई की मांग

गुना। वार्ड नंबर 1 कुम्भराज निवासी एक पीड़ित परिवार एसपी कार्यालय पहुंचा और पड़ोसी द्वारा लगातार प्रताड़ित किए जाने, गाली-गलौज, मारपीट की कोशिश और जान से मारने की धमकी देने की शिकायत करते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की। पीड़िता ने आवेदन में बताया कि पड़ोसी पिछले एक वर्ष से बिना कारण उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान कर रहा है। आए दिन गंदी गालियाँ देना, घर के बाहर अभद्र व्यवहार करना और धमकी देना उसकी आदत बन चुकी है। परिवार के अनुसार 25 नवंबर की रात पड़ोसी छत से पत्थर फेंक रहा था, जिससे बच्चों को चोट लगने की आशंका बनी रही। देर रात वह घर में घुस आया और परिवार को धमकाते हुए कहा कि वह बच्चों को जान से मार देगा। शिकायतकर्ता के अनुसार इस घटनाक्रम से परिवार भयभीत है और रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। साथ ही बताया कि पड़ोसी की मां भी इस व्यवहार को बढ़ावा देती है, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। पीड़ितों ने कहा कि उन्होंने कुम्भराज थाने में भी शिकायत की, लेकिन आवश्यक कार्रवाई नहीं हुई। लिखित आवेदन देकर आरोपी के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की। परिवार ने आशंका जताई कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो आरोपी किसी गंभीर घटना को अंजाम दे सकता है।

लापता नाबालिग किशोरी राजस्थान से सुरक्षित बरामद

गुना। जिले से करीब 20 माह पहले लापता हुई 17 वर्षीय किशोरी को मृगवास थाना पुलिस ने राजस्थान के भीलवाड़ा से सुरक्षित बरामद कर परिजनों से मिलाया। प्रदेश में 1 से 30 नवंबर तक चल रहे ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत की गई इस कार्रवाई ने पीड़ित परिवार को बड़ी राहत दी। अप्रैल 2024 में दर्ज गुमशुदगी प्रकरण के बाद पुलिस लगातार तलाश में जुटी थी। तकनीकी संसाधनों और मुखबिर तंत्र की मदद से किशोरी के भीलवाड़ा में होने की जानकारी मिली, जिस पर टीम तुरंत रवाना हुई और खोजबीन कर उसे 25 नवंबर को सुरक्षित दस्तयाब किया।

उत्कृष्ट विद्यालय में मनाया संविधान दिवस, विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं

गुना। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृमांक 1गुना में 76 वे संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस मौके पर चित्रकला,निबंध,भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर विधालय के प्राचार्य तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी सर्वेश चतुर्वेदी एवं अजहर आलम द्वारा किया गया। कार्यक्रम में असेंबली प्रार्थना के समय संविधान की उद्देशिका का सभी शिक्षक शिक्षिकाओं प्राचार्य एवं विद्यार्थियों ने सस्वर वाचन किया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी के शिक्षक डॉ गोविंद मीणा ने किया।इस मौके पर जीएस राणा ने संविधान में मौलिक कर्तव्यों का महत्व बताया। कार्यक्रम संयोजक वृंदावन लाल ने संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संतोष साहू ने संविधान निर्माण प्रक्रिया को समझाया। कार्यक्रम में हर्ष भूषण गुप्ता, मनीष पांचाल तथा कमलेश जाट ने भी संविधान पर प्रकाश डाला एवं अन्य सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने पूरे मनोयोग से कार्यक्रम में सहभागिता की।

संगम कार्यक्रम युवा संगम कार्यक्रम का किया आयोजन, 54 युवाओं को दिए गये ऑफर लैटर

युवा संगम कार्यक्रम में 54 युवाओं को दिए गये ऑफर लैटर

नवभारत न्यूज

गुना। हर माह निर्धारित को जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार के लिए युवा संगम कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत विश्राम गृह गुना में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में नपाध्यक्ष सविता अरविन्द गुप्ता, नपा उपाध्यक्ष धर्म सोनी, वरिष्ठ नेता रमेश मालवीय एवं भाजपा पार्षद श्री दिनेश कोरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा 54 युवाओं को ऑफर लैटर दिए गए।

महाप्रबंधक जिला व्यापार उद्योग केंद्र उद्योग सतेंद्र लोधा ने बताया कि आज के कार्यक्रम में निजी क्षेत्र की 9 कम्पनियों द्वारा भाग लिया गया। इस दौरान कुल 54 युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किये गए। विभिन्न कंपनियों द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया गया। साथ ही विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के 410 हितग्राहियों को रूपये 2 करोड़ 50 लाख का हितलाभ वितरण कराया गया। आयोजित कार्यक्रम में शासन के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओ के 410 हितग्राहियों को 2 करोड़ 50 लाख रुपए का हितलाभ वितरण किया गया। जिसमें मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, पीएम एफएमई योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग स्वरोजगार योजना आदि योजनाओं के तहत हितग्राहियो को लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित युवाओं को नपाध्यक्ष सविता अरविन्द गुप्ता द्वारा युवा संगम में युवाओं को संविधान दिवस कि शपथ दिलाई गई। युवा संगम की लोकप्रियता बढ़ती जा रही हैं शासन आदेशानुसार अब युवा संगम में युवाओं को स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी, नशामुक्ति, वित्तीय साक्षरता की जानकारी देने की व्यवस्था की जा रही हैं। कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना सहित स्टार्टअप 2025 की जानकारी भी युवाओं को उपलब्ध कराई गई। बैंक द्वारा वित्तीय साक्षरता की जानकारी देतें हुए बैंक द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। आज इस अवसर पर जिला चिकित्सालय से आई टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिनमें नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री धरम सोनी ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया साथ ही उपस्थित युवाओं और हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

आज युवा संगम कार्यक्रम के दौरान उद्योग विभाग की मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत प्रियंका राठौड़ को 2.5 लाख रुपए, राजकुमार ओझा को 9 लाख रूपए तथा संतोष सोनी को 10 लाख रुपए का ऋण वितरित किया गया। ग्राम उद्योग विभाग की पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत सुरेश ओझा को 50 हजार, मांगी बाई सहरिया को 01 लाख, बलवंत यादव को 01 लाख तथा राजकुमार कुशवाह को 50 हजार का ऋण वितरित किया गया। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत आशा स्व सहायता समूह ग्राम शोठी को 1.50 लाख रुपए, संस्कार स्व सहायता समूह ग्राम हरिपुर को 06 लाख रुपए सीसीएल तथा सीता स्व सहायता समूह ग्राम मुहालपुर को 06 लाख रुपए सीसीएल का ऋण वितरित किया गया। उद्यानिकी विभाग की पीएमएफएमई योजना के तहत वर्षा मांझी को 4 लाख 30 हजार रुपए एवं इंद्रभान यादव को 9 लाख 7 हजार रुपए की ऋण राशि का वितरण किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक सतेन्द्र लोधा, प्रबंधक उद्योग प्रवीण बैंसला, सहा प्रबंधक वासुदेव रावत, ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक कौशल डीपी कम्ठान, आईटीआई के प्रशिक्षण अधिकारी विवेक केम एवं श्री सलिल जैन, उद्यानकी विभाग से केपीएस किरार एवं रोजगार कार्यालय से हर्षित माथुर एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

नपाध्यक्ष ने संविधान की शपथ दिलाई

गुना। संविधान दिवस के अवसर पर नगर पालिका कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा प्रोजेक्टर के माध्यम से चित्र एवं वीडियो प्रदर्शित किए। इस दौरान नपाध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने संविधान दिवस के अवसर पर सभी नगर वासियों को बधाई दी एवं संविधान के कर्तव्य और अधिकारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सभी को अपने कर्तव्यों का बोध होना चाहिए, जिससे हमारे अंदर देश प्रेम की भावना एवं अनुशासन बढ़ता है। हम सबको देश के संविधान के प्रति एवं उसमें निहित नियम और कानून में का सम्मान करना चाहिए। मुख्य अतिथि नपाध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों अधिकारी एवं कर्मचारियों को संविधान की शपथ दिलाई। सीएमओ मंजुषा खत्री ने स्वागत भाषण दिया तथा उपयंत्री सुनील कुमार जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सोनी, ओमप्रकाश कुशवाह, ममता तोमर, बृजेश राठौर, एवं कर्मचारी उपस्थित हुए।

1 दिसंबर को मनेगी गीता जयंती, पूर्णिमा पर पूर्णाहुति

गुना। अंतर्राष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय परिषद मप्र, विराट हिंदू उत्सव समिति और चिंतन मंच के संयुक्त तत्वाधान में मोक्षदा एकादशी के अवसर पर 1 दिसंबर को गीता जयंती मनाई जाएगी। गीता जयंती पखवाड़े के तहत गीता पाठ, स्वाध्याय, बौद्धिक वार्ता और निःशुल्क गीता वितरण के कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। अंचल के 18 प्रमुख कृष्ण मंदिरों में विशेष मनोरथ, सत्संग और संकीर्तन के आयोजन होंगे। निःशुल्क गीता वितरण का 39वां दौर भी शुरू किया जा रहा है, जिसके तहत अब तक 38 हजार गीता ग्रंथ वितरित किए जा चुके हैं। समिति के अनुसार गीता अध्ययन जीवन के उद्देश्य और आध्यात्मिक ज्ञान का मार्ग प्रशस्त करता है।